

ASMA ARCHIVES 3403

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यथा ह्यस्य पृथग्यथा ह्यस्य नमो भगवते वासुदेवाय ॥
वृक्षाणां ह्यस्य पृथग्यथा ह्यस्य नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
थः पात्राय धाम्नाय नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
सूर्याय ज्योतिर्नामः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

२३. मालिनी दण्डक, लुम्बेश्वरी, सिद्धि लक्ष्मी, कुम्भ पूजा, महाकाल, रामपुण्ड्र। ३५५

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ कास्मान् कुरु विद्वांसो मादनी कुरु लयता ॥ गृहा नवीनवीनविशिक
यागसंगय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

पाय ॥ यं ह्युवा मां यं ॥ मार्कं धुयं ॥ ३ ॥ माल नियदय ॥ धूमि
युआ दा वरं ॥ कल्याण आदा वरं मनु यदया व दत्र या कन ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नीदयी ॥ निमल मेदल नाशिनी ॥ ज्ञानशक्ति ॥ युद्ध देवी ॥ वृद्धि ह्व
गजवर्द्धनी ॥ जन सर्वरूपा ना ॥ सुसाल मित्रा वीरुगा ॥ मागवी
वावली देवी ॥ कायूर्ध्व कलुवत्सल ॥ अयं गेय वमन लः निर्वाधमं
हृदि गेआमयि ॥ निःसृगाय कर्त्तृ पायवाः ॥ ज्ञानशक्ति ह्वं मि ॐ

का क्रियाः मङ्गला मृश वर्यासूत्रव्यापूनः सूयना गन्धवत्कृष्टु
 लाका वरूपा। प्रहृन्नादशकिमुसंगीयसहासूनागऊरूपाः
 गिरूपा। स्वरूपाहिद्राऊरूपा नामाचवामाचवोदीनाकांमि का वि
 दूरूपावधुनाद्वचन्डा रुगिल्लुगिकाध। अउमकावउंकावने
 कोवसंथाअनगत्वमापश्यनगत्वरूपास्वरूपा रुगमकालवल्हा
 यिनी। आदिनकांनहारुद्राथानिरूपास्वरूपावशीकृष्टुसमा
 रुनी। अउमागानथाननशकिः ४संस्त्रागिमूर्त्यमलाद्योदनी।

[illegible]

विहगिर्महगिःसहगिर्जगिःसबध्वगिमाहगिर्यागिनावाय
लीनकवेधुवकलालेखनालीमनूयाःमहोसुष्माथागयियात्वं
ऊर्ययाजिनावउसमिरुधीःखनेवात्मानन्ददवस्यःवात्संग
पानासुनामनुमाग्ननू(गमोलिःलीमागुरी४वीययानानू
कै४सुरैकैश्वसंपूअसादवियंअमृगैदिययानात्सर्वम्
धुककालकायालिनीप्रवेउन्मद्विउन्मगिउत्सवगु४यध्रुव
सकचाउत्माउहवै।ममरुवैश्वसंउनावे४धुरै४रुन्नुरिलुर्थ

सुमद्यमासपियथागविबुगावारुसिरि४मर्मधुककालयालि
कै४दियचर्याचानूरुमनुनमस्काजैकालजैकावस्वाहा
धकाजयावल्काजदूकैकालरुद्रावजागिरि४वनगैधमना
कनोश्विहिरिवािमरुस्फुलिगेअकसुगावलीजागिरि४साधक
४यनकैमागुरिर्मधुलेदीकिने४थागिरियोगीनीरुन्दमलाय
कैचउकीणुवसंनूयैअसथागिनाथागसिद्धियुदःदविलंब
मयगामयमेलोचने४सुरैरु(धुसुसंयस्यसगस्यदियानुविरु

हिंगा सफया गाल संस्था रवी सिद्धि न व्याह गाय र्गन ॥ त्रिकिताय
४ युत्थदिधुके ॥ नक कालीदि काले गिका लं वगु ४ य ५ य दूफ या
क्षी शुचि ४ संसु नय ४ सदा मान व ४ सायि यो ना निशामा धु वा य
वना गपि सं न र्ग स ॥ द विपू गान्त्रा गम रुहा ल श्री युद रु मथा ना
वादा ना नू श के श व द्रु द्र (ग ध्रु म रुदा य ड रु विमं चानि ॥ संसु
यद वित्ती दी य मूरव पूर्ण च न्द्रा नू का न ॥ सुत दिव्य मा धि र्क स ल्क शु
ला य द्रु ग धु ल्क ल ॥ य पि वे द्वा ॥ इ इ र्द व ध न ना ग पा ॥ इ ह ऊ व ध पा

दा ग ले रु पित्व नाम स की र्ण ना द विमं च नि धा र्म रु हा या धि रि
॥ संसु था पा दा न वि न्द्रु सं दा या र्क म रु हा का ली का ला नि ग उ ४ य रु
४ र्क न्द्र (ग वि न्द्रु वृ क्क न्द्र व न्द्रा र्क य थ्या य (ध्रु सो नी मा ली ला लि स
त्य म कि उ ल स ली उ ल ॥ सि र्वा पी नी वि क र्क न वी र्क न व रु क शि व
क्ष ग गारुं क म रु हा य नार्ध ॥ क म रु हा य नार्ध शि व ॥ न व रु क ल्या म रु हा द
वी र्क न व न म रु हा म ना ग गालिं ग वि नि दि द्य नि र्ग ना य न म रु हा वी
य द क य प लि उ र्क मा ग रु हा च उ र्क व रु क रु गु म रु सि म द वि क रु

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यवव विद्या नृडा रविवलि
वे निश्चय मनः ॥ ॐ निशीमात्र निदधु कस्तु गृहमाय ॥ ॥
यं ववली ॥ ॥ ॐ अमृतास्त्राय यायू ॥ ॐ अशी की कूल युगवद
कुनाथाय वलि गृहं र ह्या हा ॥ ॐ अनवनास्त्राय यायू ॥ ॐ अकी
की कूकृगया नाय वलि गृहं र ह्या हा ॥ ॐ असी हास्त्राय यायू ॥
ॐ अयां या गिधी स्त्राय वली गृहं र ह्या हा ॥ ॐ अयगास्त्राय यायू ॥ ॐ
अमृती सिद्धि वासुधाय वलि गृहं र ह्या हा ॥ ॐ अमृगमनाय
यायू ॥ ॐ अगां गी गृगशी कूल गधय यायू ॥ ॥ वलि ॥

॥ यवव विद्या नृडा रविवलि ॥ श्री की र हा र या र यी र गर् ॥ ॥ ॥ वक्तु र ह्या वानवः
या र उ या गिनि तथा ॥ युन विदु हा वा यं व द अन मा लु ग ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
ॐ अनवास्त्राय यायू ॥ ॐ अकी की कूकृगया लाय यायू ॥ वलि ॥ ॐ
मयूनास्त्राय यायू ॥ ॐ अशी की कूल युगवद कुनाथाय यायू ॥ वी ॥
ॐ अमृगमनाय यायू ॥ ॐ अगां गी गृगशी गधय ग थ यायू ॥ वलि ॥
गमलु छिला चूनं ॥ थिया ॥ ॐ अयमास्त्राय यायू ॥ ॐ अग वासनाय
यायू ॥ ॐ अमृग आनन्दस कि र व वानन्द विवा धि गय म्दी श्री ॥
महा विद्या नाथ ॥ अश्वी यायू ॥ वलि ॥ ॥ र गनी या न्यास ॥ ॐ ॥
जमरु रुच जलु यायू ॥ ॐ अकी वाज युद द द यायन ॥ मया ॥

॥ यवव विद्या नृडा रविवलि ॥ श्री की र हा र या र यी र गर् ॥ ॥ ॥ वक्तु र ह्या वानवः
या र उ या गिनि तथा ॥ युन विदु हा वा यं व द अन मा लु ग ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ यवव विद्या नृडा रविवलि ॥ श्री की र हा र या र यी र गर् ॥ ॥ ॥ वक्तु र ह्या वानवः
या र उ या गिनि तथा ॥ युन विदु हा वा यं व द अन मा लु ग ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यवव विद्या नृडा रविवलि ॥

वक्षुमहादवीध्वयह गवमीशिव। नयवामीकवाहासावि
श्रुत्काटिसमयुता॥ यीनवंकुललाहागभिनगावावृहासिनी
किवीटीकधुला कालीकयूवामविनूयूवा॥ वर्त्तमालाविचि
ननहावमालावलीविना। अष्टादशपुजाकानादिवयवमारा
हविना॥ नवद्वयाधनधयवृकवजांकुशवलाधन। उमवृगूलः
पागुंचदकिधनविवाजिना॥ रुनकंधनूरुसेवगजयधमसूक्ष्म
रिगा॥ याधनकुनीरुध्रवद्वामकधपाधक। विन्दुमृदागथ

सिद्धिध्वयनरुगवगीयवा॥ सिंहासुनसमावृतामहिषाद
वर्जिना॥ महिषासुबनिहनिचसर्वदेयविनासिनी॥ धिवाध
उधरुलावरवद्वामउमवृकविना॥ उडयधुययधुयववधु
गयधुनायिका॥ यधुयधुवगिर्यवयधुयपागिर्यधिका॥ न
वमीयाययधुयमध्वल्लशिपुहादिना। नयेनाहावृधकृष्णः
नीलाधुकायधूमिका॥ यीनाययाधुलाहयाजालीरुहवि
रिगा॥ महिषाथयूमाधाम्नीगलकवग्रहमृष्टिका॥ लययधुन

पंक्तावाउग्रवधुदिगकुमा॥७॥ नवक्षत्वामहादवीमहा
 गवमीनमाइमृग॥ ध्यानपूज्यायायू॥ अवाहनस्त्रायनसंनि
 धानसंनिवाधनकवचीकवधपाद्याद्यज्यमनीस्तनवन्देन
 सिन्धुनादियायू॥ ॥ अर्चलिनय॥ ॥ नैजडीनाजपुदक्षुंउ
 ग्रवधुविपूमर्दनीहूंहुंसदावदुस्त्रांमोइसं४ मृग्यरुवनमै४
 साहायायू॥ ३॥ वलि॥ अज॥ नैजनम४ श्रीडीविधुवाग्रयनम४
 श्रीडीयायू॥ ३॥ वलि॥ ॥ अया॥ नैजमृग्यरुवननन्दवीना॥ ३॥

७७ग्रवधुविपूमर्दनीहूंहुंसदावदुस्त्रांमोइसं४ मृग्यरुवननन्दवीना॥ ३॥
 स्त्राययाइका॥ नैजवात्रीवृक्षुी श्रीनूडयधुदवीनमायायव अरहा॥ नैजमहिषा
 स्त्राय॥ नैसिहास्त्रायइका॥ नैजवात्रीवृक्षुी श्रीयुसुधुदवीनमायायव अरहा
 नैसिहास्त्राय॥ नैमहिषास्त्राय॥ नैजवात्रीवृक्षुी श्रीवधुदवीनमायायव
 ॥७७अरा॥ नैसिहास्त्राय॥ नैमहिषास्त्राय॥ नैजवात्रीवृक्षुी यधुनायिकाइ

[illegible][illegible]

काथायनाय नमः ॥ पुनः काथायनाय नमः ॥ इति मन्त्रः ॥ सदा
 लंकालभागाय ॥ यो नान्न गयया धनः ॥ ज्ञानादलिंगमध्यासात् ॥ काष्ठी
 लिंगविग्रहा ॥ द्वादशैर्नामुता देवीः ॥ वामदक्षदक्षवती ॥ खड्गवाहन
 शक्तिः ॥ गिरिलंबकदक्षिणे ॥ हलधनुर्वृक्षीया ॥ वृक्षधनुर्वामकेकन
 मिहासनसमाभूताः ॥ महिषाया देऊं गिरिणि ॥ गूलकं च यद्यानानिः ॥ का
 थ्येन्युनिद्यागती ॥ ध्यायमाना सदा देवीः ॥ सर्वशक्ति कृपा कवी ॥ उया ॥
 नमो नमः ॥ द्वादशैर्नामुता देवीः ॥ काथायनी नमो ॥ ध्यानपूर्वकं नमः
 ज्ञानावाहना ॥ यानिम् ॥ ॥ नैऋतारा नादि ॥ नैऋतं योऽसम्प्राय ॥ नयनास्त्रा
 य ॥ नरवक्त्रं रुद्रं कुरुस्त्राय पाय ॥ नैऋतं योऽसम्प्राय ॥ नैऋतं योऽसम्प्राय ॥

गुणधनीया ॥ ध्या ॥ नैऋतं गुणधनी मरुता देवीः ॥
 पृथ्वीकासा ॥ कलत्रा ॥ विविक्तय ॥ सर्वाल
 नी ॥ अष्टादशैर्नामुता देवीः ॥ यो नान्न गयया धनः ॥
 मूलानि च ॥ वर्जयेत्त गलाका ॥ यत्तु गूलं च दक्षिणे ॥ ह
 व ॥ नैऋतं योऽसम्प्राय ॥ नयनास्त्रा ॥ नैऋतं योऽसम्प्राय ॥
 ना देवीः ॥ पृथ्वीलीर ॥ लिंगधनी ॥ महामहिषमाभूता ॥ दद्याया ॥
 लनमहिषाघाट ॥ वज्रमध्याग ॥ धनं च ॥ काधनूपावतानी ॥ कालानूपास्त्रि
 नधनी ॥ वृक्षा ॥ ध्यायमाना सदा देवीः ॥ सर्वशक्ति कृपा कवी ॥ उया ॥
 नमो नमः ॥ द्वादशैर्नामुता देवीः ॥ काथायनी नमो ॥ ध्यानपूर्वकं नमः
 ज्ञानावाहना ॥ यानिम् ॥ ॥ नैऋतारा नादि ॥ नैऋतं योऽसम्प्राय ॥ नयनास्त्रा

मायू ५॥ ॥ वृद्धवर्लि २॥ आ वाह नादि ॥ थानिमूडा ४॥ ॥ वृ
निकोऽथायनीयूजा ॥ ॥ गन ४ युम्बधनीयूजा ॥ न्यास ॥ गौदद ॥
आसनन ॥ नृ ५ आधनादि २॥ नृ ५ मिहासनाययायू ५॥ नृ ५ मरि
यासनाययायू ५॥ शुद्धलि ५॥ नृ ५ दूर्ग गवगीवधि कार्यायनी
युम्बधन्याययायू ५॥ ३ ॥ वर्लि ॥ नृ ५ गन ४ वृद्धाः पलिवानयू
जा ॥ नृ ५ जं वृद्धा य (धे) यायू ५॥ नृ ५ कं मारुग योयायू ५॥ नृ
५ रं कोमावीयायू ५॥ नृ ५ ट वृद्ध योयायू ५॥ नृ ५ गं वाधेयायू ५॥

नूं अयं हूं डाय न्य पायू ॥ नूं अयं वा मू भु ये पायू ॥ नूं अयं म
 लल भू पायू ॥ हूं दे वलि ॥ आ वा रु ना दि ॥ यो नि मू डा ॥
 ॥ हूं मि तु म्बि व नी पू जा ॥ ४ ॥ * ॥ ग न ४ सि धि ल क्री यू जे न ठ
 या स या य ॥ नूं अ न म ४ अ म्मा य रु ॥ नूं श्री ग (ध) सा य न म ॥ अ
 व सं जा य ॥ नूं अ श्री यु र्व न म ॥ ख वं जा य ॥ नूं अ श्री व्ही रु द व ना
 य न म ॥ द थू सं जा य ॥ नूं अ न म ४ अ म्मा य रु ॥ दी ग व धे न या य
 ॥ नूं अ रु ४ अ म्मा य रु ॥ का स गि य ॥ यै १६ ॥ लें २२ ॥ वें ३४ ॥

न्या स ॥ नूं अ न म ४ अ म्मा य रु ॥ नूं अ उं की अ गु हा ल्या नि मू ४ ॥
 नूं अ हूं हों ग ऊ नी ल्या न म ४ ॥ नूं अ हूं म ध्वा मा ल्या २ ॥ नूं अ की अ
 ना मि का ल्या २ ॥ नूं अ की के न ह्या ल्या २ ॥ नूं अ न म ४ अ म्मा य रु
 ६ ॥ नूं अ उं की हूं द या य २ ॥ नूं अ हूं हों मि व स ह्या रु ॥ नूं अ हूं मि
 र्या ये वी षट् ॥ नूं अ की क व वा य २ ॥ नूं अ की नि गु गु या य २ ॥ नूं अ
 न म ४ अ म्मा ये रु ॥ ॥ आ स न ॥ नूं अ आ क्ष ना स क ग यः क म
 ना स ना य या इ कां ॥ नूं अ म हा यु गा स ना य या इ कां यू ऊ या मि ॥

उनायि कार्यरुगवथेचधुकायालिभ्येनद्यथउँडोँदूँहोँहूँको
कोनमयाइकाँपूऊयामि॥३॥वलि॥नम४रुडःयत्रिवानपूजा
॥॥उँडोँगीरवैधमार्थेयायू॥उँडोँगीरवैधमवर्थेयायू॥॥
उँडोँगीरवैधमार्थेयायू॥उँडोँगीरवैधमार्थेयायू॥उँडोँगीरवैधमार्थेयायू॥
उँडोँगीरवैधमार्थेयायू॥उँडोँगीरवैधमार्थेयायू॥उँडोँगीरवैधमार्थेयायू॥
उँडोँगीरवैधमार्थेयायू॥उँडोँगीरवैधमार्थेयायू॥उँडोँगीरवैधमार्थेयायू॥
उँडोँगीरवैधमार्थेयायू॥उँडोँगीरवैधमार्थेयायू॥उँडोँगीरवैधमार्थेयायू॥
उँडोँगीरवैधमार्थेयायू॥उँडोँगीरवैधमार्थेयायू॥उँडोँगीरवैधमार्थेयायू॥

वडिभ्येयायू॥उँडोँगीरवैधमार्थेयायू॥उँडोँगीरवैधमार्थेयायू॥
यायू॥उँडोँगीरवैधमार्थेयायू॥वलि॥अवाहनादि॥रुजमडा
॥००मिसिद्धिलक्ष्मीपूजा॥॥उँकोँकोँरू४रूगयालायुयाः
पू॥उँ५गीडीकलपुगवठकनाययायू॥उँ५मैगीरूग४(मैक
लग(मैगयायू॥उँ५रूवैधमार्थेयायू॥उँ५मैगीरूग४(मैक
मैगीरूवैधमार्थेयायू॥वलि॥नमो४००डादशलाकपा
यैरुवेन॥उँ५लू००डायायू॥उँ५रूअमययायू॥उँ५यूयमा

प्रियगुणसां। सीसुं श्रीसुं पूर्व कलशययायुः॥ ३ ॥ वलिं॥
 नुं५३ हं स४ अमृ गो५ धनं तं हीन कोयमहा लं श्री५ किं संगाय
 यायुः॥ नुं५३ जा दृदयायु नम४ यायुः॥ नुं५३ डी हि नम स्वाहा
 नुं५३ हं शिखाय वषट्॥ नुं५३ कं कवचाय हुं॥ नुं५३ को नयने याय
 वोषट्॥ नुं५३ उ४ अस्त्राय रुट्॥ ॥ ववधलिं॥ नुं५३ गं गुह्ये नमः॥
 नुं५३ उमनाये नमः॥ नुं५३ गद्यो वल्ये नमः॥ नुं५३ सवस्त्रे शं॥ नुं५३
 नुं५३ गधुक्ते शं॥ नुं५३ कोशके शं॥ नुं५३ कावले शं॥ नुं५३ कोशनिः
 कण्ठाय॥ नुं५३ र्ये वद्वि मधुलाये नमः॥ ३॥ अतिथ्या॥ नुं५३ हं सूर्य मधु
 लाये नमः॥ ३॥ अयना॥ नुं५३ सीसा मधुलाये नमः॥ ३॥ ३ नुं५३ वा दृदयाय नमः

विद्या कलायु निष्ठाये शं॥ वलिं॥ आवाहनादि॥ धनू मूडीदशी
 यथा॥ ॥ अंगि कलशार्चनं॥ दय्य॥ नमो४ कं राचनं॥ न्यानु४॥ व
 आसन॥ आराजादि॥ नुं५३ का लासनाय यायुः॥ अ॥ न॥ नुं५३
 ला कायस निरादवी यमना गस मयुहा॥ अ॥ द॥ शं॥ कुजा कीर्ण
 सु॥ मालं को वरुषिगा॥ अ॥ न॥ य॥ अ॥ ॥ अ॥ या॥ अ॥ लि॥ ॥
 नुं५३ सां सी ममधुलाय वा॥ अ॥ कं॥ लालनशी कं॥ ल॥ कं॥ रा॥ य॥ या॥ इ
 को॥ य॥ ऊ॥ या॥ मि॥ ४॥ ३॥ वलिं॥ नुं५३ हूं॥ या॥ इ॥ को॥ न॥ नुं५३ हूं॥ या॥ इ॥ को॥ न॥
 दय्य॥ नुं५३ श्रीये नमः॥ ३॥ ॥ ॥ सि॥ ध॥ म॥ नुं५३ ल॥ अ॥ अ॥ नि॥ म॥ ३॥ दि॥

३
 ४
 ५

॥५॥ ॥ कृष्ण ध्यान ॥ ५३ ॥ ॐ वरुण वायिष्णव कर्ण ॥ ५४ ॥ ॐ पिङ्ग वरुण पिङ्ग लोचन रूद्र धुम
ॐ गि माहाकाव वलियुजा ॥ ५५ ॥ ॥ गंगा ॥ ४ ॥ कृष्णया लवलियु
जन ॥ न्यास ॥ कौह दयाय ॥ ५६ ॥ आसन ॥ ५७ ॥ आरावादि ॥ ५८ ॥ ॐ ५
न वसनाय पाय ॥ ५९ ॥ शुभा ॥ ६० ॥ ॐ ५ कौ कौ कौ ४ कृष्ण या वाय
याय ॥ ६१ ॥ ३ ॥ वलि ॥ ॥ गंगा ॥ ४ ॥ अग्निगाः यत्रि वा न युजा ॥ ६२ ॥ ॐ ५
अग्निगाः रुद्र वाय पाय ॥ ६३ ॥ ॐ ५ कौ वरु रुद्र वाय पाय ॥ ६४ ॥
ॐ ५ वरु रुद्र वाय पाय ॥ ६५ ॥ ॐ ५ रुद्र काध रुद्र वाय पाय ॥ ६६ ॥ ॐ
५ रुद्र रुद्र वाय पाय ॥ ६७ ॥ ॐ ५ रुद्र रुद्र वाय पाय ॥ ६८ ॥ ॐ
५ रुद्र रुद्र वाय पाय ॥ ६९ ॥ ॐ ५ रुद्र रुद्र वाय पाय ॥ ७० ॥
ॐ ५ रुद्र रुद्र वाय पाय ॥ ७१ ॥ ॐ ५ रुद्र रुद्र वाय पाय ॥ ७२ ॥
ॐ ५ रुद्र रुद्र वाय पाय ॥ ७३ ॥ ॐ ५ रुद्र रुद्र वाय पाय ॥ ७४ ॥
ॐ ५ रुद्र रुद्र वाय पाय ॥ ७५ ॥ ॐ ५ रुद्र रुद्र वाय पाय ॥ ७६ ॥
ॐ ५ रुद्र रुद्र वाय पाय ॥ ७७ ॥ ॐ ५ रुद्र रुद्र वाय पाय ॥ ७८ ॥
ॐ ५ रुद्र रुद्र वाय पाय ॥ ७९ ॥ ॐ ५ रुद्र रुद्र वाय पाय ॥ ८० ॥

ॐ ५ रुद्र रुद्र वाय पाय ॥ ८१ ॥ ॐ ५ रुद्र रुद्र वाय पाय ॥ ८२ ॥
ॐ ५ रुद्र रुद्र वाय पाय ॥ ८३ ॥ ॐ ५ रुद्र रुद्र वाय पाय ॥ ८४ ॥
ॐ ५ रुद्र रुद्र वाय पाय ॥ ८५ ॥ ॐ ५ रुद्र रुद्र वाय पाय ॥ ८६ ॥
ॐ ५ रुद्र रुद्र वाय पाय ॥ ८७ ॥ ॐ ५ रुद्र रुद्र वाय पाय ॥ ८८ ॥
ॐ ५ रुद्र रुद्र वाय पाय ॥ ८९ ॥ ॐ ५ रुद्र रुद्र वाय पाय ॥ ९० ॥
ॐ ५ रुद्र रुद्र वाय पाय ॥ ९१ ॥ ॐ ५ रुद्र रुद्र वाय पाय ॥ ९२ ॥
ॐ ५ रुद्र रुद्र वाय पाय ॥ ९३ ॥ ॐ ५ रुद्र रुद्र वाय पाय ॥ ९४ ॥
ॐ ५ रुद्र रुद्र वाय पाय ॥ ९५ ॥ ॐ ५ रुद्र रुद्र वाय पाय ॥ ९६ ॥
ॐ ५ रुद्र रुद्र वाय पाय ॥ ९७ ॥ ॐ ५ रुद्र रुद्र वाय पाय ॥ ९८ ॥
ॐ ५ रुद्र रुद्र वाय पाय ॥ ९९ ॥ ॐ ५ रुद्र रुद्र वाय पाय ॥ १०० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 मधुसूदनं नमस्कृत्य ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 आनिर्दोशं ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ इति मालिका
 धनार्थं याजुर्लिङ्ग यज्ञा ॥ ॥ नमो नन्दिन्याय ॥ नमो नम
 रा कालाय याजुर्लिङ्ग ॥ नमो कौकुर्यालाय याजुर्लिङ्ग ॥
 ॥ नमो सुनाय याजुर्लिङ्ग ॥ अधनकुलि ॥ नमो इन्द्राय याजुर्लिङ्ग
 लयस्वादयस्वादयद्वं ॥ वलि ॥ लीवला ॥ नमो धनूद्वं यय

५ कौं कू ४२

वसेन्यमावधाय याजुर्लिङ्ग ॥ वलि ॥ ॥ ॐ नमो सुनाय याजुर्लिङ्ग ॥
 ॥ वलिमूलरु ॥ नमो कौकुर्यालाय वलिगृहं २ स्यात् ॥
 नमो यौयौयैवधकनाथाय वलिगृहं २ स्यात् ॥ नमो गौगौ
 गौग ४ (गौग ४) वलिगृहं २ स्यात् ॥ नमो यौयौयैवधकनाथाय वलिगृहं २
 वलिगृहं २ स्यात् ॥ नमो भूमीश्वर्यामधुसूदनं वलिगृहं २
 स्यात् ॥ नमो भूमीश्वर्यामधुसूदनं वलिगृहं २ स्यात् ॥ नमो भूमीश्वर्यामधुसूदनं
 वलिगृहं २ स्यात् ॥ नमो भूमीश्वर्यामधुसूदनं वलिगृहं २ स्यात् ॥

गृहं रखा हा ॥ नुं अ सर्वे त्या रुग त्या वलिं गृहं रखा हा ॥ नुं अ
 रुगु कादि ग (ध) त्या वलिं गृहं रखा हा ॥ नुं अ अस्ति गा हादि ग
 (ध) त्या वलिं गृहं रखा हा ॥ नुं अ वक्रान्यादि मा ग (ध) त्या व
 लिं गृहं रखा हा ॥ नुं अ वृद्ध व (ध) दि ग (ध) त्या वलिं गृहं रखा हा
 नुं अ उ यादि ग (ध) त्या वलिं गृहं रखा हा ॥ नुं अ ग्री गियू या देवी
 वलिं गृहं रखा हा ॥ नुं अ क्रीं ग्री वाल को मा नी रु हा वि का य वलिं
 गृहं रखा हा ॥ नुं अ म म इ वि ना य अ न्यु थ आयू श्म म नार्थ वलिं
 नुं अ आ का ग रा न वा य पि (०) त्या वलिं गृहं रखा हा

गृहं रखा हा ॥ समुय वलिं विय ॥ अर्घ्या गृह (ध) दा वलिं
 सहाय कंग ॥ उर्द्ध वक्रा लु हा (ध) दि वि गु वि ग ग (ध) गृग लनि
 रु ले वा या गा ले वान ल वा स लिल य व न या र्थ ग कृ ग स्ति ना
 वा ॥ कृ ग यी ० अ य यी ० अ दि शि रु कृ ग य दा पृ थ्य धू या दि क न यी
 गा द य ४ स दान ४ गृ ग व लि वि धि ना या नु वी व नु र्व द्या ४ ॥ व
 लिं गृहं रखा हा ॥ नुं अ सम रु म नु यी ० सिं हा स न यी ० वी ० अ
 य यी ० कृ ग य कृ ग स दान प स दान दि य सि धिं सम य व कृ

[illegible][illegible]

गावूलादिमुख (धधन) ॥ ॥ जंजगीउग्रचक्षुये आचमूनन
म ॥ लखवसु गुलगयदवसद्वर्न ॥ ॥ जंजपगुनिर्मलः
रुमयुयशदृशं मूकासूधायुलिंगं जागियुगुलवक्षुगसकल
धययुययूथान्त्रिर्गंशगावूत्रं विनिवेदिर्गं यत्र रुमया (धधितुः
यं मया वका द्वादकलं गृह्णामववदंशीउग्रचक्षुये (धधयद ॥ ॥
पुनिष्ठा ॥ गायहल ॥ ह्युनिष्ठाववदालवतु ॥ ॥ यानर
पदाहनयाय ॥ पादोनिष्ठं चक्षुः रयावि (धधययादृशनी ॥ ॥

जाय ॥ जंज ॥ २१ ॥ जंजुं ३४ ॥ उग्रचक्षुया ॥ जंजरवुं २१ ॥
सिद्धिलक्ष्मी ॥ कोमा ॥ ३ ॥ मगुलका ॥ जंजुं ३४ ॥
धुलाकोलं वार्यथनचलायत्रं ॥ गत्यदं द्धिर्गं यननं मंशी
गुत्रं यनमं ॥ उं उल्लावउकलिकायविगमाशी सिद्धिल
क्ष्मी वजाः कर्पूवस्तुठिर्कन्दकन्दधवलानि ॥ (धधयायाप
हासं सार्नं वदं ॥ रवयकलरुनी नि ॥ कर्म्यं नो सर्वदाशी मत्यं
मुखोम्बजादं शत्रुजायुगं हि नायागुमां ॥ ॥ रुगदानीया

॥ उं या दवी मधु के टरु यु थ म नी या च धु म धु कि नी र्या मा ना
महि या सू न क य क नी या न क वी जा गु या । या सा हं रु नि हं
रु च धु द ल नी या द द द द वा : कि नी सा द वी म म ल क द कि ध
नु उं न क स द द धि क ॥ ॥ रु गु ग व द के ण शु ग ध ण वि धि
हान क ॥ स य ध वि धि व रु क्सा न मा मि चे वि द व के ॥ उ य नी
मं रु ला को ली रु ड का लि के यो लि नी । इ र्म रु मा णि बा ध णी
स्वा हा स्व ध न मा इ मु न ॥ ग त्म (ध्व क धि क भू रु मि त न् ग म

नी मा हि य हू क या द न क वा मी क वा शु रु व व द न द वा उ क व
कृ ति न् ग । द रु वा म क वा त्या व स द ण सू रु जा रु म न न्ना न
रू वी ना नो मि ण कि नू यी वि रु व धं उ न नी या रु मा उ ग व धी
॥ पु ना स नी (ध्व न मू र्वी गु ल की यो डी वि रु व धु वि रु ना वि डि
काम रु द के णी रु सि नी वि ला यि म दा मि र वा त्यां म व रु स द
मा ॥ ॥ उ क्रा णी क म ल न्द्र सा र व द नी मा रु ध्व वी : ली ल या
को मा वी वि पू द र्थ ना ण न क वी च क्रा य ध्व वी । वा वा हि ध

न भावतु धीया विमिः॥ यद्गु काङ्क्ष ॥ मिम्रा ल्यादा काङ्क्ष वायश ॥
 नामि र्या॥ सूर्याद्य ॥ कल्लरव काङ्क्ष ॥ उँ ज्ञादि ॥ डौं जी स० शी
 सूर्याय ज्ञे नमः॥ भाग ॥ अर्चनी सर्व कार्य दोः कल्लमार्क
 छे र्चनं । नामि यका स ग कि चः ह कि मू कि रु च यु दे ॥ कन
 ने ॥ शुच नमस्का च ॥ उँ ज्ञ रव धु म धु ला का च ॥ आसन ॥ उँ ज्ञ य
 आसना य पाय ॥ उँ ज्ञ य गा स ना य पाय ॥ उँ ज्ञ कू म्मा स ना य पाय
 ॥ उँ ज्ञ रव व न न ॥ उँ ४ अ स्ता य ह ॥ उँ ज्ञ ह्व उ य ॥ ल ह्या हा ॥

न्यासा ॥ अर्घ्यायूजा ॥ नीर्थसाधन ॥ अर्घ्यायूजा ॥ ॥ आत्मयू
जा ॥ ॥ यववलि ॥ ॥ नुं० मयूनासनाययायू ॥ नुं० श्रीजी
कूलयूगवदूकनाथयवलि गृह २ स्याह ॥ नुं० नववासनाय
यायू ॥ नुं० श्रीजी कूकूगयालायवलि गृह २ स्याह ॥ नुं० मि
हसनाययायू ॥ नुं० र्याया गिषीत्यावलि गृह २ स्याह ॥ नुं०
पुगासनाययायू ॥ नुं० श्री सिद्धिचाम्भुयवलि गृह २ स्या
ह ॥ नुं० मू० सनाययायू ॥ नुं० गौगीगुं गणीकूलग (धधवाय

वलि गृह २ स्याह ॥ ॥ गिवलि ॥ ॥ नुं० नववासनायया
यू ॥ नुं० श्रीजी कूकूगयालाययायू ॥ वलि ॥ नुं० मयूनासना
ययायू ॥ नुं० श्रीजी कूलयूगवदूकनाथययायू ॥ वलि ॥ नुं०
मू० सनाययायू ॥ नुं० गौगीगुं गणीगधयगययायू ॥ वलि
॥ ॥ न्यासा ॥ नुं० अमृथरुव अमृथरुव ॥ कनसाधन ॥ नुं० श्री
वाजयुददुदयायनम ४ पायू ॥ अ ४ ४ ॥ नुं० श्री उगुव (धुगिवस
स्याह ॥ न ४ ४ ॥ नुं० वधमई श्री गिवषट् ॥ म (धमाया ॥ नुं० श्री

हंसदात्रकरकवचायहुं॥ अनामिका॥ नुँ१ लोमाँ शैस ४ नग
यायवोषट्॥ क निष्ठा॥ नुँ१ मृत्पूज्य जम्भायहुं॥ ॥ कर्ब
न्यासना१ न्यास४॥ ॥ आसननय४॥ नुँ१ ज्ञाध्वज कययाय
१॥ नुँ१ ज्ञनकासनाययायू१॥ नुँ१ र्कदासनाययायू१॥ नुँ१ ज्ञ
कुलाययायू१॥ नुँ१ नावाययायू१॥ नुँ१ यगाययायू१॥ नुँ१ क
वाययायू१॥ नुँ१ कर्हि काययायू१॥ नुँ१ यमासनाययायू१॥ नुँ१
सिंहासनाययायू१॥ नुँ१ मरुषासनाययायू१॥ नुँ१ शुक्लासनाय

यायू१॥ नुँ१ निर्गुहासनाययायू१॥ ॥ ध्यान॥ नुँ१ उग्रचक्षुम
हादवीध्वाथरुगवनी शिवागयचामीक बालासाविश्रुक्तासिम
युगा॥ यीनवकुरुलालगमिनिगवाचरुहासिनी॥ किचोटीकधुला
कालीकयूवामघिनूपूवा॥ नलमालाविचिगुनरुचमालाच
लविना॥ जूहादहाउजाकानादिद्यवमुद्ररुषिगा॥ स्वद्ववा
धनकथाचक्रवर्जकृष्णवलाध्वन॥ ठमब्रह्मलयागुचदकि (क्षना
विनाडिगा॥ ॥ हनकधनरुहचगजयधूम (शाहिगा४॥ याधन

ऊनीरुसुवस्य द्वाङ्क कशयागर्क विन्दु मूडान् थामिदिधिक्षाय
 गलुगवर्गीयनामिहामनसमाचरामहि सांदवजिनामिहिया
 सूत्र निरुक्तिवसर्वदेयविनामिनी ॥ १ ॥ वाधातुगुरु साचस्य
 द्वाङ्क उर्वर्क विनु ॥ २ ॥ उडवधुयचधुचचधुग्रमचधुनायिका
 चधुचधुवगिर्यवचधुचूपागिर्यवधुका ॥ ३ ॥ नवमी याग्रचधु
 चमधु ह्मग्नियुलादिना वाचनाला वक्ष्यन्नीलाशुकाः
 वधूमिका ॥ ४ ॥ यीनाचयाधुला ह्मया जालीरह्मरु विह्मिनामिः

हिषाथयूमाशुकीगलुवगुरुमृष्टिका ॥ ५ ॥ ह्मय्यवकनययु
 वाउग्रचधुदिनकुमा ॥ ६ ॥ उर्वध्वत्वामहादवीमहातुगवर्गी
 नभाइरुत ॥ ७ ॥ ह्मनयूष्ययायू ॥ ८ ॥ आवाहनह्मयनसनिधान
 सनिवाधनकवयीकचयाद्याद्यजाचमनीमानवन्दनमिन्दु
 वादियायू ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥ यायू लिगये ॥ ११ ॥ ॥ १२ ॥ जीवाऊयुद
 ह्मउग्रचधुविपूमदेनीह्म ह्मसदावक २ त्यां मां ह्म ४ मृथूरु
 नम ४ ह्मारायायू ॥ १३ ॥ वलि ॥ १४ ॥ ॥ १५ ॥ नम ४ जीजीवधुवाग्रय

[illegible]

५॥ शाकुन्तल ॥ व्यास ॥ जैशवाङ्कदय

येनम॥ असन॥ नैऋत॥ वायु॥ दि॥ नैऋत॥ कालासनाय पाय॥ ॥ ॥ नैऋत॥ लाङ्का रमनीय दवी यक्षनागसुम
 ध्वं सिद्धि वाम्भुयं पाय॥ वलि॥ ॥ नगा ४ स्वस्व पूजा॥
 ॐ महाकाल स्वस्व॥ नैऋत॥ नैऋत॥ महाकालाय सर्वशत्रुघ्नम
 दनाय पाय॥ वलि॥ ॥ ॥ कुरु स्वस्व पूजा॥ नैऋत॥ कौक्री कूक ४
 कुरुयालाय सर्वकामदाय पाय॥ वलि॥ ॥ ॥ वाथन स्वस्व पूजा॥
 ॥ कुरु पूजा॥ नगा ४ महाकाय वलि पूजा॥ न्यास॥ असन॥ नैऋत॥ वायु
 वादि॥ नैऋत॥ महायगासनाय पाय॥ अयोध्या पूजा॥ नैऋत॥ मांम
 सुंदरम्भुं नैऋत॥ महाकालाय पाय॥ ३ ॥ वलि॥ नवेदमर्द्धाद
 ॥ श्यामार्द्धनी ॥ नैऋत॥ सीमम धुनाय वा ७ कलालनधीकलवर्द्धाय पाय॥ ३ ॥ वली॥ विन्द॥ आनीमूजा

३४ ॥ श्री गार्ग्य नमः ॥ जंजसां सीमम धुनायशाठ न कलालनधी कलर्वूलाय पाइका ॥ ३ ॥ वली ॥ विन्द ॥ यानीमूजा ॥
३५ नंजसूयाय ॥ नंजसूयाय ॥ नंजसूयाय ॥ नंजसूयाय ॥ नंजसूयाय ॥ नंजसूयाय ॥

ॐ निमोहाकाववलियूजा॥ ॥ गंगाः कृत्याल
वलियूजनं ॥ न्यास ॥ आसन ॥ ज्ञेय आरात्रादि ॥ ज्ञेय नववास
नाययायू ॥ अयायू ॥ ज्ञेय कौक्रीकूकू ॥ कृत्यालाययायू ॥
॥ ३ ॥ वलि ॥ आवाहनादि ॥ दधुमूर्धादशयि ॥ ॐ निमोहाका
वलियूजा ॥ ॥ गंगाः वामधुवलियूजनं ॥ न्यास ॥ आस
न ॥ ज्ञेय आरात्रादि ॥ ज्ञेय युगासनाययायू ॥ अयायू ॥
ज्ञेय धूर्धुरीसिद्धि वामधुययायू ॥ ३ ॥ वलि ॥ आवाहनादि ॥

मन्त्राः। अष्टादश। पुत्रादीनां। सभापुत्रादीनां। नदरीणां॥ ५॥ नदरीणां॥

३४ नैऋत्यं वायुः॥ वज्रं सूत्रं वायुः॥ वज्रं सूत्रं वायुः॥ वज्रं सूत्रं वायुः॥ वज्रं सूत्रं वायुः॥ वज्रं सूत्रं वायुः॥

ॐ निमोहाकाववलियूजा॥ ॥ गंगाः कृत्याल
वलियूजनं ॥ न्यास ॥ आसन ॥ ज्ञेय आरात्रादि ॥ ज्ञेय नववास
नाययायू ॥ अयायू ॥ ज्ञेय कौक्रीकूकू ॥ कृत्यालाययायू ॥
॥ ३ ॥ वलि ॥ आवाहनादि ॥ दधुमूर्धादशयि ॥ ॐ निमोहाका
वलियूजा ॥ ॥ गंगाः वामधुवलियूजनं ॥ न्यास ॥ आस
न ॥ ज्ञेय आरात्रादि ॥ ज्ञेय युगासनाययायू ॥ अयायू ॥
ज्ञेय धूर्धुरीसिद्धि वामधुययायू ॥ ३ ॥ वलि ॥ आवाहनादि ॥

नैऋत्यगुनिर्मलरुमयगुणदृशमुक्तासूधायुलिर्नजानियगलव
रूपगसकलेषययूत्रयूनान्विनेगीवूत्रविनिर्वदिर्नयनरुमया
लेशिगुर्यमयावेकुप्लादकलंगृहानववदशीउग्रव(धुयदे
॥ ॥युगिष्टा॥गायहोल॥सूयुगिष्टाववदारुवन्त॥ ॥
यानउयदारुनयाय॥यादानित्यैरुद्रुद्रुद्रुवि(शेषवि(शेषया
रुशनी॥ ॥जायु॥नैऋ॥२॥नैऋ॥१॥उग्रवधुम्या॥ ॥
नैऋ॥२॥सिद्धिलक्ष्मी॥कामात्री॥स॥मधुलक्ष्मी॥ ॥

नैऋत्यगुमधुलाकार्ययनयलाचर्वगत्यदंदजिर्नय
नगमोशीगुववनम॥उउल्लुलावउकठिकावविगगाशीसि
द्धिलक्ष्मीववाःकुर्युमसूटिकेन्द्रुकन्दधवलानि॥(शेषयापा
यह॥संसावन्नैव३॥स्ययेकलरुबीनि॥कम्यनोसर्वदाशीमः
त्यश्चमुरयाम्यजादशरुजायुगलिगायागुमी॥ ॥उग्रवधुम्या॥
उयादेवीमधुकटहयथमनीयाचधुमधुकिनीर्यीर्यीमानाम
हिवासूवकुर्यकबीयाचकबीजाग्रया॥यासाष्टुहनिष्टुहवधुद

लनीया ददददा किनीसादवीममलरुदक्रिहाउउवकंसदाव
विदक ॥ ॥ रुगुगवदकेगशुग(धर्षविधिहानक ॥ सयूयवि
धिवरुशु नमामिचठिदवक ॥ अयनीमरुलाकालीरुडकालि
कयालिनी ॥ ३ ग्नेरुमाहिवाधारीसाहासुधनमाश्मुग ॥ गम्
(श्रकलिकरुहविगनूगमनीमाहिषरुकपादनयवामीक
नाशुरववदनवनाउकवकुगिनगादिकवामकवाल्यावसु
दगसुउजाहमवनीरुगूषीगानामिधकिवूयीगिरुवधउननी

यारुमाउग्रचष्टी ॥ पुनासनी(धगमूस्वीगुधकीबोडीगिरुवधु
विहनाविजिहामरुहार्धकेशीगुप्तिनीविलायिमदामिरवात्याम
वगुसदामा ॥ ॥ वक्राधीकमलरुसाखवदनीमारुध्वनीली
लयाकोमावीनियदय्यनाशनकवीचकायधवेषूवी ॥ वावाहि
येनधावधय्यमूस्वीयेन्दीववजायधवामूधुगधनाथरुवव
गधवैरुनूगमागुका ॥ आयदाधुवगावनीयवनिर्वाधदयि
नी ॥ यदुगयेरुनानिथासिद्धिलक्ष्मीनमाम्यरु ॥ ॥ किंकिं

३ सर्वसकलजननी श्रीयमनमृगाया काका कीर्ति ॥ कलकम
लिनिप्रायननमृगाया किं किं सो रथी सुवववननयायननाः
विगाया कंक था गे च रिन चित्रने विरुमाल विगाया ॥ वकारि
नूववधुगणिगशुगिनितादहकानि सुने जा कामात्री बालन
यीसुह सनवदनाह विगाहावक (६) ॐ स्वासिद्धियुदागा
विनरयह वासवकर्म युग सासादवी आदि शक्ति वरु लह लः
युदासं पदाम के दागा ॥ अथ कुरु गनाथ वद कल सुने द क वाः

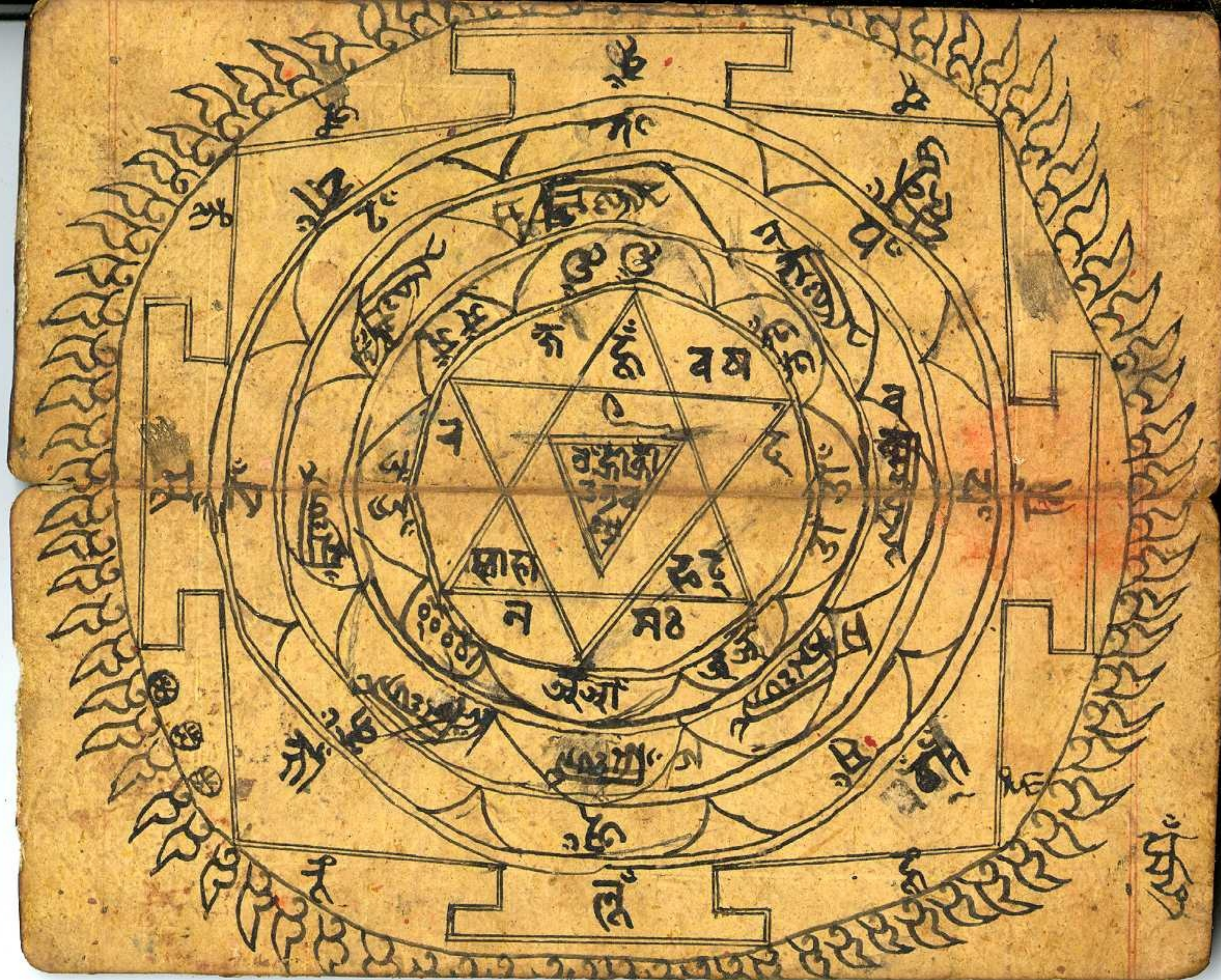
मग (६) म (६) कोमाविका त्वं उदिन व विनिता शक्ति सुने सका
द्य कोध कालं पिना की पुन वपि तुज गी वद्विवाली अ अघाया
अ वनु अ वाम युग मृग सनगं शानि पृष्ठि युदागा ॥
य ० थय ॥ ग्रास वरु म धुलान क क म यद निदि गान नद शक्ति
सूरी मा हृष्टि न्याय वगु र्क ल कल कल गनं य अ क वान्य ध द्वा
वत्वा च य अ का ध्य पुन वपि चगु वन र्क गाम धुलन स हृष्टय
नन मृग नम थ यु व व र्क व र्क श्री क ऊर्ग ॥ सर्व म कल म कल्य शिव

सर्वार्थसाधिकः॥ शत्रुवर्णयिकः॥ जीवीनावायविनमाइमृगः॥
जयवाधसहस्राधिकियगहननिर्जमया॥ यासाहमिनिमौरि
क्काक्रममयवमस्थवी॥ अन्यगशत्रुवर्णनासि त्वमत्रशत्रुवधम
म॥ नमोत्कीर्णवधरावननरुजवर्णयवमस्थवी॥ कयन॥ ॥
जस्मभुवग्रवधुभुवनविधेगत्सर्वविधियविधुधुमम॥ ॥
नमोत्कीर्णयाय॥ विन्दुनागयधु॥ समयस्त्रायवलिहर्षकाय
॥ ॥ दवल्कस्त्राय॥ गय्यनयाय॥ ॥ ग्यकुमानवाहसर्वा

॥ सवृडा॥ सगक्षधिया॥ यागिन्य॥ कणयालाथममदहय
वलिगा॥ नन्दकुसाधका॥ सिद्धानन्दकुललयुका॥ नन्द
कुशकिमाज्जलानन्दकुलयागिन॥ ॥ दवागीर्वा
द॥ कर्गनखानकाकाय॥ ॥ आत्मागीर्वाद॥ ॥
चन्दनसिन्दुवध॥ ॥ समयंदला॥ ॥ गय्यध॥
वाक॥ नु॥ यीगि॥ युगासनस्कारवरयदव॥ अहंयवामकुमू
र्कि॥ यधुयधुसनाथ॥ युधग॥ रुधिरुधलाकयाला॥ रुवि

डा ॥ अयकावक्रासि देव्या ॥ यिष्टगवसहि मागव ॥ कुरुयालाथा
गि ॥ अथागयक्रासुलजलस्ववना ॥ यावमनठपिवनु ॥ यि
वकुददगा ॥ सध्वसन्नुडा ॥ अथविनायका ॥ अथागिन्य ॥ कुरुयाला
अममदरुयवलिगा ॥ ॥ अविनासाहवेदरु ॥ अजनामवधम
द्वच ॥ आग ॥ अकरेयनासि ॥ अश्रीसूरवसंम्याद ॥ अंनम ॥
श्रीनाथाय ॥ अंनम ॥ श्रीसिद्धिनाथाय ॥ अंनम ॥ श्रीकृष्ण
नाथाय ॥ ॥ न्यास ॥ वलिङ्गाय नमः ॥ नासिय ॥

सूर्यसाक्षिधाय ॥ लोका ॥ वृत्तिवधुधिविधि ॥ नववारुसाठ
 यासुनिदुनिर्म्यः शुभिकर्मयाय ॥ ॥ वधुधीधुनिम्यासु
 ॥ ॥ अदसचोदवलि ॥ वारुवरवासवाय ॥ ॥ स्वदसवा
 रुवलिधुसासवाय ॥ ॥ दूवन्वाचोदवलिदका लषसवाय ॥
 ॥ ॥ सुम्यगु ३२ अष्टगु ॥ यः अम्यागिर्ध ॥ अष्टुनेखानरु
 गव ॥ व्याद्यादयोग ॥ यरुयगिवासव ॥ धदूदू याय धू गूदू वा
 ॥ शुलममुसवदा ॥ ३ ग्नीप्रीनिवम् ॥ वामरु विनविधिर्ग ॥ ॥



वक्रा माह का मा वे म्
 युरि नायु झादू बा द्
 रुमा रुम या यामू
 झादू हा द् झादू झादू
 सयु कल
 नायु नायु



काथ कगा जूझि जूझि
 झादू नायु नायु झादू
 व्याधिनी

कलस

कलस

माहा

माहा

थवि

थवि

वाम

वाम

जत्र

जत्र

वाम

वाम

कलस

कलस

माहा

माहा

थवि

थवि

वाम

वाम

जत्र

जत्र

वाम

वाम

कलस

कलस

माहा

माहा

थवि

थवि

वाम

वाम

जत्र

जत्र

वाम

वाम

१॥ द्यौः ॥ नैऋतं त्रिंशत् नमः ॥ ३॥ सिद्धं न रंजया ॥ नैऋतं त्रिंशत् नमः ॥ ३॥
१॥ पूर्णचन्द्रनिर्णयस्य ॥ आत्मविम्बे प्रवृत्तस्य ॥ आयुः सत्तु निष्पृश्य
दायकया यव ॥ ॥ सिद्धिं न मुक्त्रियात्तु ॥ वृद्धिं न मुक्त्रिनागम ॥ प्रदि
नमु ॥ लीलव ॥ निनमु गृहममे ॥
कगाधया ॥ नैऋतं त्रिंशत् नमः ॥ ३॥ अजिथया ॥ नैऋतं त्रिंशत् नमः ॥ ३॥
॥ ३॥ अजिथया ॥ नैऋतं त्रिंशत् नमः ॥ ३॥ न्यासवकाल ॥ अगुल्याउथ ॥

१॥ कात्यायनीया धम्मन ॥ नैऋतं कात्यायनी महादेवी ॥ रुमपू
न नृपिणी ॥ सर्वालं कालसारार्थं ॥ पीनालनयथाधवा ॥
कात्राकालिगेम ॥ धम्मः ॥ को ॥ धम्मः ॥ कालिगेम विग्रहा ॥ द्वाद
शीगा ॥ उता देवी ॥ वामदेवदधधर्मा ॥ श्रवणवाधगथ
गकि ॥ गि ॥ लं युक्ता दधि ॥ ॥ हलधनूक्ता ॥ श्रिया ॥ श्रिया ॥
नवामकक ॥ ॥ सिद्धासनसमा ॥ नृणां महिषा यादर्जनिधि ॥

ॐ ल क श्रु व द्या गानिः का (वे) ध्य धु वि द्या गनी ॥ ध्य य मा
ना सदा दवीः सर्व हा त्रु क रं क नी ॥ ज या द्या द व गा रू लीः का
या य धी न मा स्तु न ॥ ध्य न पू र्ण न म ४ ॥ आ वा हा ना दि ॥ या
नि मू दा ॥ ॥ य या ॥ ॥ य वि द्या ॥ ज या दि ॥ नै ५ आ दा ना दि ॥
नै ५ य द्या स्ता य पा य ॥ नै ५ पु ना स्ता ना य पा य ॥ नै ५ ज या य पा
य ॥ नै ५ ख ङ्ग रू ट क रु स्ता य पा य ॥ नै ५ म्मा ज या द वी न मा
या इ कां ॥ ॥ वि ङ्ग या ॥ नै ५ आ धा ॥ नै ५ म्मा स्ता य पा य ॥

नै ५ वि ज या द वी या इ कां ॥ नै ५ वि ङ्ग वि ङ्ग या द वी न मा या इ कां ॥ ॥
ज जि गा द्वा ॥ आ धा ॥ नै ५ य द्या स्ता य पा य ॥ नै ५ पु ना स्ता य
पा य ॥ नै ५ ज जि गा य पा इ कां ॥ नै ५ म्मा ज जि गा द वी न म ४
या य ॥ ॥ ज य ना जि गा ॥ नै ५ य द्या स्ता य पा य ॥ नै ५ पु ना स्ता
य पा य ॥ नै ५ ज य ना जि गा या य ॥ नै ५ ल्मा ज य ना जि गा द वी
न म ४ पा य ॥ ॐ रु ॥ नै ५ य द्या स्ता य पा य ॥ नै ५ पु ना स्ता य पा
य ॥ नै ५ ॐ रु नी या इ कां ॥ नै ५ म्मा ॐ रु नी द वी न म ४ पा य ॥ ॐ

रुनी ॥ नैऋत्यं यद्वा स्नाय याय ॥ नैऋत्यं यद्वा स्नाय याय ॥ नैऋत्यं रु
नी याइ कां ॥ नैऋत्यं रुनी देवी नमः याइ कां ॥ भारुनी ॥ नैऋत्यं
यद्वा स्नाय याय ॥ नैऋत्यं यद्वा स्नाय याय ॥ नैऋत्यं भारुनी याय ॥ नैऋत्यं
भारुनी देवी याय ॥ आकषणी ॥ नैऋत्यं यद्वा स्नाय याय ॥ नैऋत्यं
यद्वा स्नाय याय ॥ नैऋत्यं आकषणी याय ॥ नैऋत्यं आकषणी
देवी नमः याइ कां ॥ ॥ ॐ नैऋत्यं सः श्रीम रुनी ॥ नैऋत्यं
कायाय नैऋत्यं याइ कां ॥ सर्वस्य रुनी नार्थं वलि श्रेष्ठं रक्षा रु

॥ ॐ मि कायायनी विधिः ॥ ॥ गगनादुव श्वनीया ॥ अना ॥
नैऋत्यं यद्वा स्नाय याय ॥ नैऋत्यं यद्वा स्नाय याय ॥ नैऋत्यं रुनी
संकासाद्वा स्नाय याय ॥ नैऋत्यं यद्वा स्नाय याय ॥ नैऋत्यं रुनी
माला वव विनी ॥ अष्टादश रुजा कानाः पीना वक्र रुनी नात्रुहा ॥
स्वप्नं किं सुधा योधाः अष्टादश रुजा कानाः पीना वक्र रुनी नात्रुहा ॥
॥ ॐ रुनी वद किं ॥ ॥ रुनी वद किं ॥ ॥ रुनी वद किं ॥ ॥ रुनी वद किं ॥
॥ ॐ रुनी वद किं ॥ ॥ रुनी वद किं ॥ ॥ रुनी वद किं ॥ ॥ रुनी वद किं ॥

हासनमगादवीः पुथालीरुक्मिणश्चरी ॥ महामहिषमा
रूराः दद्यायाद नयं विधी ॥ शूलनमहिषाद्याटं वज्रमः
ध्वजध्वजव । काधरूपावगानी ॥ कालारूपस्त्रिभुवनी ॥
वृक्षाध्वमाष्टकान्दवपूजनीया । नमस्तुभ्यो ध्यायमानाः
सदा ॥ नमो नमो सर्वदवगा ॥ ध्यानपूष्यं पादकां ॥ ॥ अथा
रुन ॥ यानिमूढा ॥ ॐ गिरुम्भश्चप्राया ॥ वृक्षाध्वमादि ॥ ॥
महाकालया ॥ ध्यान ॥ नमस्तुभ्यो नासमाभूराः वृक्षवधुसू

सारुना ॥ नकास्यं गिलावनं हीमं चर्वलाद्वशिवात्रु ॥ यिग
कृकृपिकृकृगं ॥ महाकायमहादर्वि ॥ यायुवर्मयैलिधनार्
मिहचर्मचगुह्मिगा ॥ नलसर्पास्त्रिलंकाव ॥ नापूनादिवि
हृषिगा ॥ खड्गकुरुकरु ॥ खड्गकुरुगुविन्दके ॥ विद्यु
काटिमहागर्ज ॥ कवध्वनलसारिग ॥ वृक्षाविष्णुसू
नादि ॥ विद्मसाद्युष्टपादका ॥ ध्यानजम्बुककुरुकावा ॥
गृक्षात्रुकववाद्रुन ॥ उगष्टुगयिगमचीनां ॥ किंलिशला